एम.पी.ए.

एम.ए (लोक प्रशासन)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2024–25

एम.ए लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के लिए

जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2024.2025

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीय कार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ.साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यो ं को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रेल 2025 31 अक्टूबर 2025	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशो ं को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) नियोजन : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें आ ैर इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) चयन : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से द`ने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संब ंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ.साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

क) प्रस्तुति : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन

बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) व्याख्या : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद बखुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ. साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–015 लोक नीति और विश्लेषण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडःएम.पी.ए.- 015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी 2025
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

सत्रीय कार्य I

1) नीति विज्ञान के महत्व की चर्चा कीजिए तथा समकालीन संदर्भ में लोक नीति के प्रति उसकी प्रासंगिकता को उजागर कीजिए। 20

2) इष्टतमीकरण मॉडल की अपेक्षा अनुकरण मॉडल कैसे अधिक उपयुक्त होते हैं? 20

3) लोक नीति निरूपण की बाधाओं को उजागर करते हुए भारतीय लोक नीति में वर्तमान प्रतिमान परिवर्तन का वर्णन कीजिए। 20

4) ''नीति–निर्माण में नागरिक समाज एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।'' जाँच कीजिए। 20

5) नीति–मूल्यांकन की विधियों का वर्णन कीजिए। 20

सत्रीय कार्य II

6) नीति कार्यान्वयन में विभिन्न प्रकार की क्या समस्यायें हैं? नीति कार्यान्वयन के अध्ययन में कई प्रकार के दृष्टिकोणों के अनुसरण की आवश्यकता का औचित्य स्पष्ट कीजिए। 20

7) तर्कसंगत नीति–निर्माण मॉडल की जाँच कीजिए। 20

8) नीति विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली विधियों और तकनीकों की व्याख्या कीजिए। 20

9) नीति वितरण में विभिन्न कार्यान्वयन अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

10) विनिवेश नीति की चर्चा कीजिए तथा राज्य स्तर पर इसके प्रभाव को उजागर कीजिए। 20

एम.पी.ए.–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी 2025
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खंड–I

1) विकेन्द्रित विकास के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

2) सशक्तिकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में आने वाली समस्याओं को उजागर कीजिए। 20

3) विकेन्द्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों का वर्णन कीजिए तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। 20

4) स्वास्थ्य क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों तथा विशिष्ट कार्य अभिकरणों के बीच भागीदारी की जाँच कीजिए। 20

5) विकास योजना निर्माण के लिए विभिन्न आवश्यकताएं क्या–क्या हैं? 20

खंड– II

6) भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण के विकास और महत्व की चर्चा कीजिए। 20

7) संस्थागत क्षमता–निर्माण की व्याख्या कीजिए तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता–निर्माण के तरीके सुझाइए। 20

8) '74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1992, के पश्चात्, नगरपालिकायें आधारभूत स्तर पर स्थानीय स्वशासन की प्रभावशाली संस्थाओं के रूप में कार्य कर रही हैं।' जाँच कीजिए। 20

9) स्थानीय सरकार की संरचना, शक्तियों और कार्यों का वर्णन कीजिए। 20

10) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

क) जन भागीदारी के तौर–तरीके। 10

ख) सतत् विकास और शासन। 10

एम.पी.ए. 017 इलेक्ट्रॉनिक शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी 2025
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग क और भाग ख है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न है। आपको कुल पाँच प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में से दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक है।

भाग–क

1. ई–गवर्नेन्स को परिभाषित कीजिए तथा भारत में ई–गवर्नेन्स एवं सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के कानूनी तथा नीतिगत ढांचे का वर्णन कीजिए। 10
2. सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में चर्चा कीजिए, जिससे सार्वजनिक संगठन बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं देने के लिए सक्षम हो सके। 10
3. आंध प्रदेश में ई–पंचायत परियोजना पर प्रकाश डालिये। 10
4. कुछ प्रबन्धन टिप्स ऐसे होते हैं, जो सार्वजनिक संस्थानों के प्रशासनिक सस्कृति को परिवर्तित करने में उपशिक्षक होते हैं। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 10
5. महिला सशक्तीकरण में सूचना व संचार प्रौद्योगिकी कैसी भूमिका निभा सकता है? साथ ही ग्रामीण विकास के लिए एक प्रभावी सूचना व संचार प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन के सम्बन्ध में सुझाव दीजिए। 10

भाग–ख

6. ई–अधिगम की अवधारणा और महत्व पर एक टिप्पणी लिखिए। साथ ही, आभासी शिक्षण वातावरण को उजागर कीजिए। 10
7. ई–कामर्स के लाभों व सीमाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान का वर्णन कीजिए। 10
8. भारतीय रेलवे में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोगों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
9. ई–सेवा परियोजना द्वारा प्रस्तुत की जा रही विभिन्न सेवाओं का वर्णन कीजिए। 10
10. 'सौकार्यमः विशाखापतनम नगर निगम की एक ईगवैनस परियोजना का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए। 10

एम.पी.ए.–18 : आपदा प्रबंधन

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2024–जनवरी– 2025
पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खंड – I

1) आपदा को परिभाषित कीजिए तथा भारत में प्राकृतिक आपदाओं का अवलोकन कीजिए। 10

2) समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए। 10

3) आपातकालीन प्रचालन केन्द्रों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

4) 'जोखिम सहभाजन और हस्तांतरण द्वारा समुत्थान का मार्ग प्रशस्त होता है।' चर्चा कीजिए। 10

5) आपदा प्रबंधन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं को उजागर कीजिए। 10

खंड – II

6) बचाव की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए। 10

7) आश्रय व्यवस्था के मार्गदर्शी सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए 10

8) आपदा प्रबंधन की प्रमुख नवीन प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

9) प्रथम प्रतिक्रिया के तर्क को परिभाषित कीजिए तथा प्रथम अनुक्रियाकर्ता के रूप में जनता की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

10) आपदाओं और विकास के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए। 10

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–002: शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एसएसओ–002
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–25

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30%

भाग–क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. प्रघटना"ाास्त्र क्या है? प्रघटना को समझने के लिए मार्टिन हेडेगर को योगदान को स्पष्ट कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डेन्स की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25

3. तुलनात्मक विधि का वर्णन कीजिए। सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार (scope) की चर्चा कीजिए। 25

4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध पद्धति के साथ इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

भाग–ख

निम्नलिखित में से किसी *एक* पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

i) भारतीय समाज पर पराराष्ट्रीय प्रवसन का प्रभाव। 50

ii) भारत में सामाजिक रूप में बहिष्कृत एवं सीमांत समूहों के सभाक्तिकरण के साधनों के रूप में मुक्त एवं दूरस्त ि"ाक्षा। 50

iii) जाति की समकालीन राजनीत में प्रासंगिकता। 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।
प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और
- अंत में उचित संदर्भ बिंदुओं (referencing) का उल्लेख करें।

भारत : लोकतंत्र और विकास (एमपीएस–003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

विशय कोड : एपीएस–003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमपीएस–003/2024-2025
पूर्णांकः 100

खण्ड – I

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम स कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. विकास की अवधारणा और लोकतंत्र के साथ इसके संबंध की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (एलपीजी) नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

4. भारत में किसान आंदोलनों के विकास पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) तेलंगाना किसान विद्रोह
   (ख) राजनीतिक भागीदारी

खण्ड – II

6. राजनीतिक भागीदारी की व्यवहारवादी अवधारणा को समझाइए।

7. भारत में क्षेत्रवाद की प्रकृति की व्याख्या कीजिए।

8. मानव विकास के लिए बुनियादी न्यूनतम आवश्यकता दृष्टिकोण का परीक्षण कीजिए।

9. अति–शहरीकरण के कारणों पर चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
    (क) आंतरिक प्रवासन
    (ख) सतत विकास